# भजन

तर्ज– बहुत प्यार करते है

इश्क मेरी रूह का है तुमसे खसम
पता तब चला जब मिला यह इलम

1– इलमें लदुन्नी से पहचान की
मेहर महबूब ने मुझ पर करी
तड़प मेरे दिल की अब होगी न कम

2– तेरे चरणों को मैं चूमती रहूँ
जामें इश्क पी के झूमती रहूँ
कायम हो मस्ती मेरे प्रीतम

3– सुख दोनों ठौरों का तुमने दिया
सदा अरस परस हो मेरे पिया
तू ही तू है मेरे खसम